मोरेना अम्बा सड़क पर उपरि पुल

2693. **श्री बाबू लाल सोलंकी :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश के मोरेना जिले में मोरेना-अम्बा सड़क पर एक उपरि पुल बनाने की योजना स्वीकृत की गई है,

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस पुल का निर्माण कार्य कब तक शुरू किया जायेगा, और

(ग) इस निर्माण के लिए कितना धन आबंटित किया गया है ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप-मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन)

(क) मुरैना में वर्तमान समपार सं० 450 के बदले एक उपरि सड़क पुल के निर्माण का कार्य रेलों के 1981-82 के निर्माण कार्य में शामिल किया गया है। इसकी लागत रेलवे और राज्य सरकार वहन करेगी।

(ख) इस योजना का अनुमान अभी राज्य सरकार को स्वीकार करना है। राज्य सरकार की स्वीकृति प्राप्त होने पर इस कार्य का निष्पादन प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

(ग) इस योजना पर 119.18 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है जिसमें से रेलवे का हिस्सा 59.59 लाख रुपये है, 1981-82 के लिए 10.00 लाख रुपये की राशि आबंटित की गयी है।

अप्रैल से जून 1981 तक साबरमती एक्सप्रेस का उज्जैन में देर से आगमन

2694. **श्री सत्य नारायण जाटिया :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिमी रेलवे की 166 अप फैजाबाद-अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस की उज्जैन रेलवे स्टेशन पर आने का ठीक समय क्या है;

(ख) अप्रैल, 1981 से जून, 1981 की अवधि के दौरान उपरोक्त साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन किन किन तारीखों को उज्जैन ठीक समय पर पहुँची;

(ग) क्या साबरमती एक्सप्रेस के उज्जैन आमतौर पर विलम्ब से आने के कुछ कारण हैं; और

(घ) कब से कब तक साबरमती एक्सप्रेस का चलना स्थगित रहा और क्या उपर्युक्त अवधि के लिए रतलाम से भोपाल तक कुछ रेल सुविधा प्रदान की गई है ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप-मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन)

(क) 166 अप साबरमती एक्सप्रेस का उज्जैन पहुँचने का समय 23-50 बजे है।

(ख) 3, 7, 10, 19, 27, 29 अप्रैल और 20 मई, 1981 को 166 अप साबरमती एक्सप्रेस ठीक समय पर उज्जैन पहुंची।

(ग) जी हां।

(घ) लाइनों के टूट-फूट जाने और परिचालनिक कारणों से 166 अप साबरमती एक्सप्रेस को 23 जुलाई, 1981 से

14 अगस्त, 1981 तक रद्द कर दिया गया था और इस अवधि के दौरान कोई अतिरिक्त रेल सुविधा की व्यवस्था नहीं की गई थी।

Roads Damaged due to floods

2695. SHRI M.V. CHANDRA SHEKARA MURTHY : Will the Minister of SHIPPING & TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the damage to roads in the country and especially flood affected areas is worth Rs. ten crores ;

(b) if so, what are the States where roads have been damaged ;

(c) whether in view of this Union Government is considering to draw a plan to help the States for repairing of roads damaged or washed away by rains ; and

(d) if so, what kind of assistance and help will be provided to the States and whether any central scheme has been formulated?

THE MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI VEERENDRA PATIL): (a) to (d). Out of various categories of road in the country, the Government of India are constitutionally responsible for maintenance and development of National Highways only. During the current monsoons reports of some damages due to rains & floods to certain sections of National Highways have been received from the States of Assam & North Eastern Region, Bihar, Himachal Pradesh, Gujarat, Jammu and Kashmir, Rajasthan and Uttar Pradesh. National Highways being the responsibility of the Central Government, the full cost of restoration and repairs of the damages to the National Highways will be provided to the concerned States by the Government of India.

Bridges over Bagmati and Kosi Rivers

2696. SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a number of bridge over perennial and furious rivers like Bagmati and Kosi are too weak and there are no railings on them: and

(b) if so, the steps being proposed to be taken ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) No. The bridges on Bagmati and Kosi rivers are not weak. These have railings on one side.

(b) Does not arise.

Railway Departmental Catering Service

2697. SHRI B.R. NAHATA : Will the Minister of Railways be pleased to state, what are the profits or losses of each Railway during the last three years on account of Departmental Catering Services of Railways, Zone-wise?